



ए के एस विश्वविद्यालय

सतना, मध्यप्रदेश

मानविकी विभाग

विकसित भारत
@ 2047

द्वि दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी

वर्तमान परिप्रेक्ष्य में राष्ट्रीय एकता की प्रासंगिकता:

विकसित भारत @ 2047



30-31 अक्टूबर 2026



हाइब्रिड मोड (ऑनलाइन एवं ऑफलाइन)



एकता से
समृद्धि की ओर...



संगोष्ठी के प्रमुख उद्देश्य

- समकालीन भारत में राष्ट्रीय एकता की प्रासंगिकता का विश्लेषण करना।
- राष्ट्रीय एकीकरण एवं विकसित भारत @ 2047 के बीच संबंधों को समझना।
- लोकतंत्र, संविधान एवं नागरिकता की राष्ट्रीय एकता में भूमिका पर विचार करना।
- सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक चुनौतियों का अध्ययन करना।
- समावेशी विकास, सामाजिक सद्भाव एवं उत्तरदायी नागरिकता पर शोध को प्रोत्साहित करना।
- राष्ट्रनिर्माण में युवाओं, शिक्षा एवं डिजिटल माध्यमों की भूमिका को रेखांकित करना।



संरक्षक मंडल एवं विश्वविद्यालय प्रशासन

मुख्य संरक्षक

श्री बी. पी. सोनी

माननीय कुलाधिपति,
एके एस विश्वविद्यालय, सतना

संरक्षक

इंजी. अनंत कुमार सोनी

माननीय प्रो-कुलाधिपति,
एके एस विश्वविद्यालय, सतना

विश्वविद्यालय के प्रमुख पदाधिकारी

- प्रो. बी. ए. चोपड़े — माननीय कुलपति
- डॉ. आर. एस. त्रिपाठी — प्रो-वाइसचांसलर (प्रशासन)
- डॉ. हर्षवर्धन श्रीवास्तव — प्रो-वाइसचांसलर (विकास)
- प्रो. जी. सी. मिश्रा — प्रो-वाइसचांसलर (उत्कृष्टता)



आयोजन समिति

अध्यक्ष / अकादमिक समन्वयक

डॉ. सुधीर कुमार जैन

डीन, सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी संकाय

संयोजक / आयोजन सचिव

डॉ. उषा द्विवेदी

विभागाध्यक्ष, मानविकी विभाग

आयोजन समिति के सदस्य

- डॉ. उदयभान सिंह
- डॉ. पुष्पा सोनी
- श्रीमती प्राची सिंह
- श्री गौरव सिंह
- श्री अश्वनी कुमार ओमरे
- श्री अभिषेक शुक्ला



प्रस्तावित उप-विषय

- वैश्विक एकता में विश्व सरकार की अवधारणा परिकल्पना
- राष्ट्रीय एकता एवं विकसित भारत @ 2047 की परिकल्पना
- संवैधानिक मूल्य, लोकतंत्र एवं राष्ट्रीय एकीकरण
- विविधता में एकता: भारत की बहुलतावादी सांस्कृतिक विरासत
- सामाजिक न्याय, समानता एवं समावेशी विकास
- जाति, वर्ग, लिंग एवं क्षेत्रीय विषमताएं: राष्ट्रीय एकता की चुनौतियाँ
- सांप्रदायिक सद्भाव, धर्मनिरपेक्षता एवं सामाजिक समरसता
- युवा, शिक्षा एवं राष्ट्रनिर्माण
- राष्ट्रवाद, नागरिकता एवं लोकतांत्रिक सहभागिता
- सोशल मीडिया, डिजिटल संचार एवं राष्ट्रीय एकता
- आर्थिक विकास, रोजगार एवं क्षेत्रीय संतुलन
- जनजातीय समुदाय, आदिवासी ज्ञान एवं सांस्कृतिक पहचान
- महिला सशक्तिकरण एवं समावेशी राष्ट्रनिर्माण
- राजनीतिक नेतृत्व, सुशासन एवं राष्ट्रीय एकीकरण
- भाषा, साहित्य, लोकपरंपराएँ एवं सांस्कृतिक एकता
- पर्यावरणीय स्थिरता एवं सामुहिक राष्ट्रीय उत्तरदायित्व
- विकसित भारत के निर्माण में स्थायी समुदायों एवं शिक्षण संस्थानों की भूमिका
- सतना एवं बघेलखंड क्षेत्र का सामाजिक, राजनीतिक एवं सांस्कृतिक योगदान
- वैश्वीकरण, प्रवासन एवं राष्ट्रीय एकता की उभरती चुनौतियाँ

प्रतिभागी उपर्युक्त विषयों अथवा उनसे संबंधित अन्य प्रासंगिक विषयों पर शोध-पत्र प्रस्तुत कर सकते हैं।



पंजीयन शुल्क

प्रतिभागियों की श्रेणी	पंजीयन शुल्क
स्नातक एवं स्नातकोत्तर विद्यार्थी	₹200
शोधार्थी	₹500
प्राध्यापक एवं शिक्षाविद	₹700

नोट: उपर्युक्त शुल्क बिना प्रकाशन के सहभागिता हेतु हैं। यदि प्रकाशन से संबंधित कोई अतिरिक्त शुल्क लागू होगा, तो इसकी सूचना आयोजन समिति द्वारा पुश्तक रूप से दी जाएगी।



पंजीयन लिंक: Public LINK :

<https://aksportal.laksuniversity.ac.in/#/Open/Regis>



WhatsApp Group

Follow this link to join my WhatsApp group:

<https://chat.whatsapp.com/DCjm9xNrnQ4MvBGG6vYYR7s>



दूरभाष: 9170970299, 7489306539